University in News on 11 January 2024

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

प्रो. सरजीत बने आईयूजीएस में सदस्य

लखनऊ। लविवि में भू विज्ञान विभाग के प्रो. सरजीत सेन शर्मा को प्रतिष्ठित इंटरनेशनल यूनियन ऑफ जियोलॉजिकल साइंसेज (आईयूजीएस) और इंटरनेशनल क्वाटरनरी रिसर्च (आईएनक्यूयूए) की 10 सदस्यीय राष्ट्रीय समिति में शामिल किया गया है। 1961 में स्थापित आईयूजीएस को भू वैज्ञानिक समस्याओं, विशेष रूप से विश्वव्यापी महत्व की समस्याओं के अध्ययन को बढ़ाने का दायित्व सौंपा गया था। प्रो. सरजीत शर्मा को इस उपलब्धि पर कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बधाई दी है। प्रो. शर्मा विवि में तीन दशक से भू विज्ञान में शिक्षण व अनुसंधान कर रहे हैं। (संवाद)

किरण डंगवाल चुनी गईं सलाहकार

लखनऊ। लविवि में शिक्षाशास्त्र विभाग की डॉ. किरण लता डंगवाल को नोवा गोरिका विश्वविद्यालय (यूएनजी) और ओईआर के लिए ओपन टेक्नोलॉजीज पर यूनेस्को चेयर की ओर से एडुस्कोप 2024 कार्यक्रम में ओपन एजुकेशन सलाहकार (मेंटर) चुना गया है। डॉ. डंगवाल यूनेस्को के अंतरराष्ट्रीय परामर्श ऑनलाइन कार्यक्रम, OE4BW में दो MOOC (मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्स) विकसित कर चुकी हैं। इस सहयोग से एडुस्कोप 2024 के व्यापक लक्ष्यों के अनुरूप वैश्विक शिक्षा के क्षेत्र में बहुमूल्य योगदान मिलने की उम्मीद है। (संवाद)

लविवि : फिर बदला परीक्षा कार्यक्रम

दस कोर्सों सहित बीए के 23 विषयों की परीक्षाओं में किया परिवर्तन

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। प्राण प्रतिष्ठा समारोह के मद्देनजर लखनऊ विश्वविद्यालय ने लगातार दूसरे दिन बुधवार को स्नातक व परास्नातक स्तर के कई पाठ्यक्रमों के परीक्षा कार्यक्रमों में बदलाव किया है। विद्यार्थी विवि की वेबसाइट पर बदला गया परीक्षा कार्यक्रम देख सकते हैं।

प्राण प्रतिष्ठा समारोह के मद्देनजर लगातार दूसरे दिन बदली गईं परीक्षा की तिथियां

लविवि में विषम सेमेस्टर परीक्षा-2023 के तहत दस पाठ्यक्रमों के परीक्षा कार्यक्रम में बदलाव किया गया है। इसमें बीए के 23 विषय हिंदी, दर्शनशास्त्र, अर्थशास्त्र, ज्योतिर्विज्ञान, भूगोल, शिक्षाशास्त्र, शारीरिक शिक्षा, समाज कार्य, एआईएच, एमआईएच आदि विषयों के प्रथम, तृतीय व पंचम सेमेस्टर के परीक्षा शेड्यूल को बदला गया है।

एमएससी जियोलॉजी, फार्मास्युटिकल केमिस्ट्री, भौतिकशास्त्र, रसायन विज्ञान व बायोटेक्नोलॉजी के परीक्षा कार्यक्रम को परिवर्तित किया गया है। बीएलआईएससी व एमएलआईएससी पाठ्यक्रम के शेड्यूल में भी बदलाव हुआ है। ज्यादातर बदलाव 22 जनवरी को पड़ने वाली परीक्षाएं में ही किए गए हैं।

हरदोई में परीक्षा केंद्र पहुंचे कुलपति प्रो. आलोक राय। स्रोत : विवि

कुलपति ने परीक्षा केंद्रों का किया निरीक्षण

लखनऊ। लविवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बुधवार को हरदोई जिले के सुभाष चंद्र बोस महाविद्यालय, श्री बाला जी कृषि महाविद्यालय एवं पीबीआर कृषि महाविद्यालय में विषम सेमेस्टर की परीक्षाओं का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान कुलपति ने परीक्षा व्यवस्था एवं कॉलेज की मूलभूत सुविधाओं का जायजा लिया और आवश्यक निर्देश दिए। कुलपति के साथ डीन सीडीसी प्रो. अवधेश त्रिपाठी, चीफ प्राक्टर प्रो. राकेश द्विवेदी और कुलानुशासक मंडल के अन्य सदस्य मौजूद रहे। (संवाद)

हिंदी में समाहित वसुधैव कुटुंबकम व विश्व शांति

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के अंतरराष्ट्रीय प्रकोष्ठ की ओर से बुधवार को अंतरराष्ट्रीय हिंदी दिवस पर गोष्ठियां और व्याख्यान हुए।

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने अंतरराष्ट्रीय छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि हिंदी एक सरल, सुगम और वैज्ञानिक भाषा है। इसमें वसुधैव कुटुंबकम और विश्व शांति की अधिरचना है। भाषा विज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो. के. श्री कुमार ने भाषा विज्ञान विभाग में हिंदी के विभिन्न भाषाई आयामों पर व्याख्यान दिया। समारोह में रूस, श्रीलंका, बांग्लादेश, चीन, इथोपिया, अफगानिस्तान, ताजिकिस्तान, मॉरीशस, वियतनाम, माली, केन्या, युगांडा आदि देशों के छात्र मौजूद रहे।

हिंदी भाषा को वैश्विक स्तर पर मिले बढ़ावा

लखनऊ। पुनर्वास विवि में बुधवार को हिंदी दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में हिंदी विभाग के पी. यशवंत वीरोदय ने कहा कि हिंदी की अस्मिता को अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित करने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेन्स का प्रयोग हो। ताकि वैश्विक स्तर पर हिंदी की स्वीकार्यता को बढ़ सके। (संवाद)

हिंदी का महत्व समझें

लखनऊ। बिजनौर स्थित आर्यकुल कॉलेज ऑफ एजुकेशन में बुधवार को हिंदी दिवस पर हुए कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं शामिल हुए। संस्थान के प्रबंधक निदेशक डॉ. सशक्त सिंह ने कहा कि हिंदी हमारी मातृ भाषा है, भविष्य की पीढ़ी को इसके महत्व को समझना भी जरूरी है। (संवाद)

भाषा व अनुवाद ने विदेशों में दिलाई हिंदी को पहचान

लखनऊ। भाषा संस्थान में विश्व हिंदी दिवस पर आयोजित गोष्ठी में लखनऊ विवि के हिंदी विभाग की शिक्षक प्रो. अलका पांडेय ने कहा कि भाषा व अनुवाद के माध्यम से विदेशों में हिंदी अबाध गति से आगे बढ़ रही है। मंजुल मयंक मिश्र ने कहा कि भाषा का सरलीकरण कर उसे संपर्क भाषा के रूप में प्रतिष्ठित किया जाए। अध्यक्षता संस्थान के निदेशक विनय श्रीवास्तव ने की। संचालन प्रियंका टंडन ने किया। (माई सिटी रिपोर्टर)

NBT PAGE 6

प्रो. सरजीत सेन शर्मा IUGS और INQUA समिति में शामिल

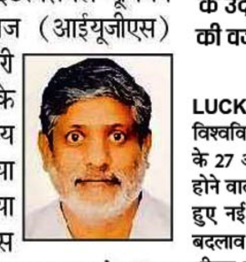

■ एनबीटी, लखनऊः एलयू के भूविज्ञान विभाग के प्रो सरजीत सेनशर्मा को इंटरनेशनल यूनियन ऑफ जियोलॉजिकल साइंसेज (आईयूजीएस) और इंटरनेशनल क्वाटरनरी रिसर्च (आईएनक्यूयूए) के लिए 10 सदस्यीय राष्ट्रीय समिति में शामिल किया गया है। एलयू प्रशासन ने बताया कि इंडियन नेशनल साइंस अकैडमी (आईएनएसए) ने 2024-26 के लिए आईयूजीएस और आईएनक्यूयूए की 10 सदस्यीय राष्ट्रीय समिति का पुनर्गठन किया है। आईएनएसए ने इस समिति में प्रो सरजीत सेनशर्मा को शामिल किया है। इसमें प्रो सरजीत के साथ देश के आईआईटी और अन्य प्रतिष्ठित राष्ट्रीय अनुसंधान संस्थानों के वैज्ञानिक शामिल किए गए हैं।

i-NEXT PAGE 5

एलयू : 27 और विषयों की एग्जाम डेट बदली

22 जनवरी को श्री राम मंदिर के उद्घाटन और प्राण प्रतिष्ठा की वजह से लिया गया निर्णय

LUCKNOW (10 Jan) : लखनऊ विश्वविद्यालय ने स्नातक व परास्नातक के 27 और विषयों में 22 जनवरी को होने वाली परीक्षाओं को स्थगित करते हुए नई तिथि जारी कर दी है. यह बदलाव अयोध्या में उस दिन होने वाले श्रीराम मंदिर के उद्घाटन और प्राण प्रतिष्ठा की भव्य तैयारी को देखते हुए लिया गया है. छात्र-छात्राएं संशोधित परीक्षा कार्यक्रम एलयू की वेबसाइट https://www.lkouniv.ac.in/en के माध्यम से डाउनलोड कर सकते हैं.

इनकी डेट्स बदलीं

परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी की ओर से जारी कार्यक्रम के अनुसार 22 जनवरी को एम.एससी मालीकुलर ह्यूमन जेनेटिक, एम.एससी जूलाजी, एम.ए पब्लिक पालिसी, एम.ए आचार्य, एम.ए वेस्टर्न एंड कम्पोजिट हिस्ट्री, एम.ए पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन, एम.ए पर्शियन, एम.एससी एनवायरमेंटल साइंस, एम.एससी माइक्रोबायोलाजी, एम.पी.एच (कम्युनिटी मेडिसिन), मास्टर आफ पब्लिक हेल्थ, एम.एससी एप्लाइड जियोलाजी, बी.एल.आइ.एससी, एम.एल.आइ.एससी, एम.ए क्रिमिनोलाजी एंड क्रिमिनल जस्टिस, एम.काम एप्लाइड इकोनामिक्स, एम.ए उर्दू, बी.वी.ए, बी.एफ.ए, एम.वी.ए, एम.एससी बाटनी, एम.एससी फिजिक्स, एम.काम कामर्स, एम.ए अरेबिक एंड अरब कल्चर, एम.एससी कम्प्यूटर साइंस, एम.एससी बायो टेक्नोलाजी विषयों की परीक्षा तिथि भी बदली गई है.

HINDUSTAN PAGE 8

यूजी व पीजी के कई कोर्स का परीक्षा कार्यक्रम बदला

एलयू

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय में यूजी व पीजी के कई पाठ्यक्रमों के परीक्षा कार्यक्रम में बदलाव किया गया है। विद्यार्थी एलयू की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर बदला परीक्षा कार्यक्रम देख सकते हैं।

एलयू में विषम सेमेस्टर परीक्षा-2023 के तहत स्नातक व परास्नातक स्तर के दस पाठ्यक्रमों के परीक्षा कार्यक्रम में बदलाव किया गया है। इसमें बीए के 23 विषय हिंदी, दर्शनशास्त्र, अर्थशास्त्र, ज्योतिर्विज्ञान, भूगोल, शिक्षाशास्त्र, शारीरिक शिक्षा, समाज कार्य, एआईएच, एमआईएच आदि विषयों के प्रथम, तृतीय व पंचम सेमेस्टर के परीक्षा शेड्यूल को बदला गया है। इसी तरह एमएससी जियोलॉजी, फार्मास्यूटिकल केमिस्ट्री, भौतिकशास्त्र, रसायन विज्ञान व बायोटेक्नोलॉजी के परीक्षा कार्यक्रम को परिवर्तित किया गया है। बीएलआईएससी व एमएलआईएससी पाठ्यक्रम के शेड्यूल में भी बदलाव हुआ है।

प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि एलयू की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर एग्जामिनेशन के कॉलम में जाकर बदला शेड्यूल देखा जा सकता है। मुख्यतः 22 जनवरी को पड़ने वाली परीक्षाएं ही स्थगित की हैं। **यूनेस्को ने डॉ. किरण को सलाहकार चुनाः** एलयू में शिक्षाशास्त्र विभाग की डॉ. किरण लता डंगवाल को नोवा गोरिका विश्वविद्यालय और ओईआर के लिए ओपन टेक्नोलॉजी पर यूनेस्को चेयर से एडुस्कोप 2024 में ओपन एजुकेशन सलाहकार (मेंटर) चुना गया है।

डॉ. डंगवाल यूनेस्को के अंतर्राष्ट्रीय परामर्श ऑनलाइन कार्यक्रम, ओई4बीडब्ल्यू में दो मूक (मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्स) विकसित कर चुकी हैं।

आईयूजीएस में सदस्य बने प्रो. सरजीत सेन

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में भूविज्ञान विभाग के प्रो. सरजीत सेन शर्मा को प्रतिष्ठित इंटरनेशनल यूनियन ऑफ जियोलॉजिकल साइंसेज, इंटरनेशनल क्वाटरनरी रिसर्च की 10 सदस्यीय राष्ट्रीय समिति में शामिल किया गया है। 1961 में स्थापित इंटरनेशनल यूनियन ऑफ जियोलॉजिकल साइंसेज को भूवैज्ञानिक समस्याओं, विशेष रूप से विश्वव्यापी महत्व की समस्याओं के अध्ययन को बढ़ाने का दायित्व सौंपा गया है।

i-NEXT PAGE 5

डॉ. किरन लता बनीं सलाहकार

यूनेस्को चेयर की ओर से आयोजित प्रतिष्ठित एडुस्कोप-2024 कार्यक्रम में ओपन एजुकेशन एक अंतरराष्ट्रीय आनलाइन परामर्श कार्यक्रम के लिए लखनऊ विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग की डा. किरण लता डंगवाल को एक सलाहकार (मेंटर) के रूप में चुना गया है. मुक्त शैक्षिक संसाधन डेवलपर्स को मार्गदर्शन देने में एक संरक्षक के रूप में डा. डंगवाल की भूमिका महत्वपूर्ण होगी.

एलयू के प्रो. सरजीत राष्ट्रीय समिति में शामिल

लखनऊ विश्वविद्यालय के भूविज्ञान विभाग के प्रोफेसर सरजीत सेन शर्मा को इंटरनेशनल यूनियन आफ जियोलाजिकल साइंसेज (आइयूजीएस) और इंटरनेशनल क्वाटरनरी रिसर्च (आइएनक्यूयूए) के लिए बनी 10 सदस्यीय राष्ट्रीय समिति में शामिल किया गया है. समिति को भूवैज्ञानिक समस्याओं, विशेष रूप से विश्वव्यापी महत्व की समस्याओं के अध्ययन को बढ़ाने का दायित्व सौंपा गया है. भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी ने 2024-2026 के लिए आइयूजीएस और आइएनक्यूयूए के लिए 10 सदस्यीय राष्ट्रीय समिति का पुनर्गठन किया है. प्रो. सरजीत तीन दशकों से अधिक समय से भूविज्ञान में शिक्षण/अनुसंधान कर रहे हैं. वह जर्मनी में डीएएडी फेलो रहे हैं.

छात्र को एस्ट्रो फोटोग्राफर आफ द ईयर पुरस्कार

लखनऊ विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र हर्षवर्धन पाठक ने एस्ट्रो फोटोग्राफर आफ द ईयर-2023 का पुरस्कार जीता है. हर्षवर्धन ने बताया कि बीते अक्टूबर में एस्ट्रोनोमैड्स बंगला, कोलकाता के बिरला प्लेनेटेरियम की ओर से आनलाइन फोटोग्राफी प्रतियोगिता हुई थी. इसमें देश भर से 140 प्रतिभागियों ने 750 इमेज भेजी थी. हाल ही में जारी परिणाम में हर्षवर्धन डीप स्काई कैटेगरी में विजेता बने.

एलयू: 120 विद्यार्थियों के बदले अंक

लखनऊ विश्वविद्यालय ने बी.ए.एम.एस पाठ्यक्रम के चैलेंज मूल्यांकन और एल.एल.बी के स्पेशल स्क्रूटनी का परिणाम जारी कर दिया है. बी.ए.एम.एस प्रथम, द्वितीय, तृतीय वर्ष के साथ एल.एल.बी के विभिन्न सेमेस्टर मिलाकर 120 विद्यार्थियों के अंकों में बदलाव हुआ है. बी.ए.एम.एस प्रथम, द्वितीय वर्ष में 59 और तीसरे वर्ष के 57 विद्यार्थियों को नए अंक दिए गए हैं. वहीं, एल.एल.बी में चार को नए अंक मिले हैं. चार अन्य में कोई बदलाव नहीं हुआ. इन कोर्सों में कम अंक मिलने की वजह से विद्यार्थियों ने चैलेंज मूल्यांकन के लिए आवेदन किया था.

बीकाम पांचवें सेमेस्टर की परीक्षा 16 को

लखनऊ विश्वविद्यालय ने बी.काम पांचवें सेमेस्टर में इंटर्नशिप प्रोजेक्ट की मौखिक परीक्षा के छूटे विद्यार्थियों को एक और मौका दिया है. उनकी मौखिक परीक्षा 16 जनवरी को होगी. छात्र-छात्राओं को सुबह 11 न्यू कामर्स ब्लाक में पहुंचना होगा. वाणिज्य संकाय की डीन प्रोफेसर रचना मुज्जू ने नोटिफिकेशन जारी किया है.

JAGRAN CITY PAGE III

लवि : 27 और विषयों में 22 की परीक्षा तिथि बदली

22 जनवरी को श्री राम मंदिर के उद्घाटन और प्राण प्रतिष्ठा की वजह से लिया गया निर्णय

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने स्नातक व परास्नातक के 27 और विषयों में 22 जनवरी को होने वाली परीक्षाओं को स्थगित करते हुए नई तिथि जारी कर दी है। यह बदलाव अयोध्या में उस दिन होने वाले श्रीराम मंदिर के उद्घाटन और प्राण प्रतिष्ठा की भव्य तैयारी को देखते हुए लिया गया है। छात्र-छात्राएं संशोधित परीक्षा कार्यक्रम लवि की वेबसाइट https://www.lkouniv.ac.in/en के माध्यम से डाउनलोड कर सकते हैं।

परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी की ओर से जारी कार्यक्रम के अनुसार 22 जनवरी को एम.एससी मालीकुलर ह्यूमन जेनेटिक, एम.एससी जूलाजी, एम.ए पब्लिक पालिसी, एम.ए आचार्य, एम.ए वेस्टर्न एंड कम्पोजिट हिस्ट्री, एम.ए पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन, एम.ए पर्शियन, एम.एससी एनवायरमेंटल साइंस, एम.एससी माइक्रोबायोलाजी, एम.पी.एच (कम्युनिटी मेडिसिन),

मास्टर आफ पब्लिक हेल्थ, एम.एससी एप्लाइड जियोलाजी, बी.एल.आइ.एससी, एम.एल.आइ.एससी, एम.ए क्रिमिनोलाजी एंड क्रिमिनल जस्टिस, एम.काम एप्लाइड इकोनामिक्स, एम.ए उर्दू, बी.वी.ए, बी.एफ.ए, एम.वी.ए, एम.एससी बाटनी, एम.एससी फिजिक्स, एम.काम कामर्स, एम.ए अरेबिक एंड अरब कल्चर, एम.एससी कम्प्यूटर साइंस, एम.एससी बायो टेक्नोलाजी विषयों की परीक्षा तिथि भी बदली गई है।

22 तक आवेदन का मौका

लवि ने ने सत्र 2023-24 की पीएच.डी में प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर दी है। विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.lkouniv.ac.in पर एडमिशन पेज के पीएच.डी प्रवेश में जाकर आवेदन कर सकते हैं। आवेदन करने के पहले सत्र 2023-24 के लिए विश्वविद्यालय 39 विषयों में रेगुलर पीएचडी की 898 और पार्ट टाइम पीएचडी की 58 सीटों के लिए विज्ञापन जारी किया है। प्रवेश की प्रक्रिया में आनलाइन प्रवेश फार्म भरने की अंतिम तिथि 22 जनवरी है। अभ्यर्थी लवि का एप डाउनलोड करके भी भर सकते हैं।

120 विद्यार्थियों के बदले अंक

लवि ने बी.ए.एम.एस. पाठ्यक्रम के चैलेंज मूल्यांकन व एलएल.बी. के स्पेशल स्क्रूटनी का परिणाम जारी कर दिया है। बी.ए.एम.एस. प्रथम, द्वितीय, तृतीय वर्ष के साथ एलएल.बी के विभिन्न सेमेस्टर मिलाकर 120 विद्यार्थियों के अंकों में बदलाव हुआ है। बी.ए.एम.एस प्रथम, द्वितीय वर्ष में 59 और तीसरे वर्ष के 57 विद्यार्थियों को नए अंक दिए गए हैं। एलएल.बी. में चार को नए अंक मिले हैं। चार अन्य में कोई बदलाव नहीं हुआ। इन कोर्सों में कम अंक मिलने की वजह से विद्यार्थियों ने चैलेंज मूल्यांकन के लिए आवेदन किया था।

हर्षवर्धन पाठक को एस्ट्रो फोटोग्राफर आफ द ईयर पुरस्कार

लखनऊ विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र हर्षवर्धन पाठक ने एस्ट्रो फोटोग्राफर आफ द ईयर-2023 का पुरस्कार जीता है। हर्षवर्धन ने बताया कि बीते अक्टूबर में एस्ट्रोनोमैड्स बंगला, कोलकाता के बिरला प्लेनेटेरियम की ओर से आनलाइन फोटोग्राफी प्रतियोगिता हुई थी। इसमें देश भर से 140 प्रतिभागियों ने 750 इमेज भेजी थीं। हाल ही में जारी परिणाम में हर्षवर्धन डीप स्काई कैटेगरी में विजेता बने।

डा. किरण लता बनीं सलाहकार

लखनऊ : यूनेस्को चेयर की ओर से आयोजित प्रतिष्ठित एडुस्कोप-2024 कार्यक्रम में ओपन एजुकेशन एक अंतरराष्ट्रीय आनलाइन परामर्श कार्यक्रम के लिए लखनऊ विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग की डा. किरण लता डंगवाल को एक सलाहकार (मेंटर) के रूप में चुना गया है। मुक्त शैक्षिक संसाधन डेवलपर्स को मार्गदर्शन देने में एक संरक्षक के रूप में डा. डंगवाल की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। (जासं)

मौखिक परीक्षा 16 को

लखनऊ : लवि ने बी.काम पांचवें सेमेस्टर में इंटर्नशिप प्रोजेक्ट की मौखिक परीक्षा के छूटे विद्यार्थियों को एक और मौका दिया है। उनकी मौखिक परीक्षा 16 जनवरी को होगी। छात्र-छात्राओं को सुबह 11 न्यू कामर्स ब्लाक में पहुंचना होगा। वाणिज्य संकाय की डीन प्रोफेसर रचना मुज्जू ने नोटिफिकेशन जारी किया है। (जासं)

राष्ट्रीय समिति में लवि के प्रो. सरजीत शर्मा शामिल

प्रो. सरजीत सेन

जासं, लखनऊ : लवि के भूविज्ञान विभाग के प्रोफेसर सरजीत सेन शर्मा को इंटरनेशनल यूनियन आफ जियोलाजिकल साइंसेज और इंटरनेशनल क्वाटरनरी रिसर्च (आइएनक्यूयूए) के लिए बनी 10 सदस्यीय राष्ट्रीय समिति में शामिल किया गया है। समिति को भूवैज्ञानिक समस्याओं, विशेष रूप से विश्वव्यापी महत्व की समस्याओं के अध्ययन को बढ़ाने का दायित्व सौंपा गया है।

तकनीक को हिंदी से जोड़ने की जरूरत

जासं, लखनऊ : वर्तमान में तकनीक ने अपने पांव कृत्रिम बुद्धिमत्ता तक पहुंचा दिए हैं। संयुक्त अमीरात से लेकर भारत में भी रोबोट क्रियाशील हो उठे हैं। ओडिशा और केरल में रोबोट एंकरिंग प्रारंभ हो गई है। आज हिंदी को भी हमें तकनीक से जोड़ने की आवश्यकता है। इसमें जहां एक ओर भाषा के माध्यम से रोजगार के अवसर बढ़ेंगे, वहीं मीडिया और तकनीक आधारित साहित्य हिंदी को वैश्विक पहचान देंगे। यह विचार प्रवासी साहित्यकार डा. पूर्णिमा वर्मन ने बुधवार को लवि के हिंदी तथा आधुनिक भारतीय भाषा विभाग में विश्व हिंदी दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में रखे।

प्रोफेसर योगेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि आज हिंदी विश्व के 160 विश्वविद्यालयों में पढ़ाई जा रही है। संयुक्त अमीरात, अमेरिका, जापान, वियतनाम आदि देशों में हिंदी अध्ययन-अध्यापन संचालित हो रहा है। प्रोफेसर पवन अग्रवाल ने बताया कि अमेरिका की एशियाटिक सोसाइटी में 1500 स्कूलों में हिंदी अध्यापन के लिए 816 करोड़ का प्रस्ताव राष्ट्रपति बाइडन के समक्ष रखा है। वैश्विक बाजार में हिंदी की मांग बढ़ी है। इस अवसर पर प्रो. अलका पांडे, डा. ममता तिवारी सहित अन्य शिक्षक एवं शोधार्थी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में डा. पूर्णिमा वर्मन को सम्मानित करते प्रो. योगेंद्र प्रताप सिंह व प्रो. पवन अग्रवाल • सौ: लवि

'हिंदी में वसुधैव कुटुंबकम् और विश्व शांति की अधिरचना'

लवि के अंतरराष्ट्रीय प्रकोष्ठ के तत्वावधान में बुधवार को अंतरराष्ट्रीय हिंदी दिवस समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर गोष्ठियां और व्याख्यान आयोजित किए गए। कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने छात्र-छात्राओं को हिंदी के वैश्विक प्रवेश पर संबोधित करते हुए कहा कि हिंदी एक सरल, सुगम और वैज्ञानिक भाषा है। इसमें जहां एक ओर वसुधैव कुटुंबकम् और विश्व शांति की अधिरचना है, वहीं इसमें वर्तमान शैक्षिक परिवेश में वैज्ञानिक और प्रबंधकीय विषयों को प्रस्तुत करने की असीम क्षमता और संभावना है। उन्होंने परिसर में पढ़ने वाले सभी विदेशी विद्यार्थियों को अंतरराष्ट्रीय हिंदी दिवस की शुभकामनाएं दीं।

PIONEER PAGE 3

मनाया गया विश्व हिंदी दिवस

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के अंतर्राष्ट्रीय प्रकोष्ठ के तत्वाधान में आज अंतरराष्ट्रीय हिंदी दिवस समारोह का आयोजन किया गया। इस श्रृंखला में अंतरराष्ट्रीय छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए गोष्ठियां और व्याख्यान श्रृंखला आयोजित की गई। कार्यक्रम का आरंभ कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय के द्वारा अंतरराष्ट्रीय छात्रों को हिंदी के वैश्विक प्रवेश पर संबोधित करते हुए कहा कि हिंदी एक सरल, सुगम और वैज्ञानिक भाषा है। इसमें जहां एक ओर वसुधैव कुटुंबकम् और विश्व शांति की अधिरचना है, वहीं इसमें वर्तमान शैक्षिक परिवेश में वैज्ञानिक और प्रबंधकीय विषयों को प्रस्तुत करने की असीम क्षमता और संभावना है। कुलपति विश्वविद्यालय में अध्यनरत विदेशी छात्रों को अंतरराष्ट्रीय हिंदी दिवस की शुभकामनाएं दी। तत्पश्चात अंतरराष्ट्रीय प्रकोष्ठ के निदेशक प्रोफेसर रवींद्र प्रताप सिंह ने इस दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए हिंदी के बदलते वैश्विक परिवेश की चर्चा की और विदेशी छात्रों को हिंदी में कैरियर और अनुवाद की संभावनाओं के बारे में बताया।

मीडिया व तकनीकी साहित्य देगा हिंदी को वैश्विक पहचान : पूर्णिमा वर्मन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

वर्तमान में तकनीकी ने अपने पांव कृत्रिम बुद्धिमत्ता तक पहुंचा दिए हैं। संयुक्त अमीरात से लेकर भारत में भी रोबोट क्रियाशील हो उठे हैं। उड़ीसा और केरल में रोबोट एंकरिंग प्रारंभ हो गई है। आज हिंदी को भी हमें तकनीक से जोड़ने की आवश्यकता है। इसमें जहां एक ओर भाषा के माध्यम से रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। वहीं मीडिया और तकनीक आधारित साहित्य हिंदी को वैश्विक पहचान देंगे। बुधवार को यह उद्गार प्रवासी साहित्यकार डॉ पूर्णिमा वर्मन ने लखनऊ विश्वविद्यालय के हिंदी तथा आधुनिक भारतीय भाषा विभाग में आयोजित विश्व हिंदी दिवस के अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में व्यक्त किए।

संगोष्ठी का विषय प्रवर्तन करते हुए प्रोफेसर योगेंद्र प्रताप सिंह ने विश्व हिंदी दिवस का महत्व बताते हुए स्पष्ट किया कि आज हिंदी विश्व के 160 विश्वविद्यालयों में पढ़ाई जा रही है। संयुक्त अमीरात, अमेरिका, जापान, वियतनाम आदि देशों में हिंदी अध्ययन.अध्यापन संचालित हो रहा है। विश्व के अनेक विश्वविद्यालय भारतीय विश्वविद्यालय से अनुबंध कर रहे हैं। शिक्षा, चिकित्सा, बैंकिंग, मीडिया आदि क्षेत्रों में हिंदी भाषा ने तकनीक के माध्यम से सहायता प्रदान की है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रोफेसर पवन अग्रवाल ने हिंदी के साथ एक वैकल्पिक भाषा का अध्ययन करने पर रोजगार के अवसरों के बढ़ने का संकेत किया। उन्होंने बताया कि अमेरिका की एशियाटिक सोसाइटी में 1500 स्कूलों में हिंदी अध्यापन हेतु 816 करोड़ का प्रस्ताव राष्ट्रपति बाइडन के समक्ष रखा है।

वैश्विक बाजार में हिंदी की मांग बढ़ी है। मीडिया, सिनेमा, अनुवाद, पर्यटन आदि क्षेत्र में हिंदी की अपार संभावनाएं हैं। विश्व हिंदी दिवस के अवसर पर विभाग के शिक्षक प्रोफेसर अलका पांडे, प्रोफेसर हेमांशु सेन, डॉ ममता तिवारी, डॉ आकांक्षा, डॉ अनुपम, डॉ सुधा आदि के अतिरिक्त विभागीय शोध एवं स्नातकोत्तर के छात्र उपस्थित रहे।

THE PIONEER PAGE 3

LU professor to be among priests conducting consecration

Lucknow (PNS): Assistant professor at Lucknow University's Department of Oriental Studies in Sanskrit, Dr Shyamlesh Tewari, will be one among the 130 Vedic experts who will be conducting the consecration ceremony at Ayodhya on January 22.

Dr Shyamlesh Tewari said that he was elated to have been invited to perform rituals for the consecration ceremony at Ayodhya .

"It is a great honour bestowed not only upon me, but also for the Culture department and for the Lucknow University. It is more than a golden moment because golden moments can come again and again but this special moment cannot be recreated for another lifetime and hence this is unimagined and beyond my thinking. I had never thought that I would get such an opportunity," he said.

RASHTRIAYA SAHARA PAGE 5

कुलपति ने किया परीक्षाओं का निरीक्षण

लखनऊ। सेमेस्टर परीक्षा के औचक निरीक्षण को लेकर बुधवार को कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय हरदोई जिले के सुभाष चंद्र वोष महाविद्यालय गौशगंज हरदोई, श्री वालाजी कृषि महाविद्यालय हरदोई एवं पीबीआर कृषि महाविद्यालय तिरवा हरदोई का दौरा किया गया, निरीक्षण के दौरान कुलपति ने परीक्षा व्यवस्था एवं महाविद्यालय की अन्य मूलभूत सुविधाओं को देखा एवं आवश्यक दिशा निर्देश दिये। निरीक्षण के दौरान कुलपति के साथ मुख्य कुलानुशासक प्रोफेसर राकेश द्विवेदी, डीन सीडीसी, प्रोफेसर अवधेश त्रिपाठी एवं कुलानुशासक मंडल के अन्य सदस्य भी उपस्थित थे।

AMRIT VICHAR PAGE 4

प्रो. सरजीत सेन इंटरनेशनल क्वाटरनरी रिसर्च में शामिल

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : लविवि में भूविज्ञान के प्रवक्ता प्रोफेसर सरजीत सेन शर्मा को अन्तर्राष्ट्रीय शोध संस्था यूनियन ऑफ जियोलॉजिकल साइंसेज और क्वाटरनरी रिसर्च में शामिल किया गया है। इससे पहले इन्हें विशेष शोध और सार्थक कार्यों के क्षेत्र में पूर्व में भी विशेष सम्मान मिल चुके हैं।

प्रोफेसर सरजी सेन शर्मा अन्तर्राष्ट्रीय संस्था इंटरनेशनल यूनियन ऑफ जियोलॉजिकल साइंसेज और इंटरनेशनल क्वाटरनरी रिसर्च के तीन वर्ष के लिए सदस्य बनाए गए हैं। ये संस्था भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी और अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान परिषद से जुड़कर कार्य करती है। प्रोफेसर सरजीत सेन जल्द ही संगठनात्मक परिवर्तन और वैज्ञानिक गतिविधियों से जुड़े मामलों में अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर अपने विचार रखेंगे। ऐसे में संगठनात्मक ढांचे में और मजबूती मिलने की संभावनाएं प्रबल हो गई हैं।

सरजीत सेन शर्मा।

▸▸ लखनऊ विवि में भूविज्ञान विभाग में हैं नियुक्त

विश्वव्यापी समस्याओं को लेकर हुई थी स्थापना : भूवैज्ञानिक समस्याओं और महत्व को लेकर वर्ष 1961 में इंटरनेशनल यूनियन ऑफ जियोलॉजिकल साइंसेज (आईयूजीएस) की स्थापना हुई थी। तब से ये संस्था अंतः विषयों में सहयोगी बनी हुई है। ये संगठन बहु विषयकों पर भी प्रयास करता रहा है।

पहले मिलते रहे हैं सम्मान

प्रोफेसर सरजीत सेन शर्मा तीन दशकों से अधिक समय से भूविज्ञान में शिक्षण व अनुसंधान कर रहे हैं। ये जर्मनी में डीएएडी (सैंडविच) फेलो रहे हैं। इन्सा विजिटिंग साइंटिस्ट अवार्डी के साथ सर्वोच्च शैक्षणिक पुरस्कार एक्लेम अवार्डी 2021 भी मिल चुका है। प्रोफेसर सेन शर्मा ने गोल्डस्मिड कॉन्फ्रेंस 2022 में बड़े आग्नेय प्रांतों पर एक सत्र की अध्यक्षता की थी। इसके अलावा इन्हें 2020 में द जियोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ लंदन स्पेशल पब्लिकेशन और आईयूजीएस लिगेसी वॉल्यूम के लिए शोध खंड का संपादन करने के लिए आमंत्रित किया जा चुका है।

डॉ. किरण लता बनीं ओपन एजुकेशन की सलाहकार

अमृत विचार, लखनऊः लखनऊ विवि की प्रवक्ता डॉ. किरण लता डंगवाल ऑनलाइन परामर्श कार्यक्रम के लिए एडुस्कोप कार्यक्रम की अन्तर्राष्ट्रीय सलाहकार बनाई गई हैं। मुक्त शैक्षिक संसाधन में इनका कार्य महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। नोवा गोरिका विवि (यूएनजी) और ओईआर के लिए ओपन टेक्नोलॉजी पर यूनेस्को चेयर द्वारा मुक्त शैक्षणिक कार्यक्रम कराया जा रहा है। इस कार्यक्रम को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर एडुस्कोप करा रहा है। अंतर्राष्ट्रीय ऑनलाइन परामर्श कार्यक्रम के लिए लविवि की प्रवक्ता डॉ. किरण लता डंगवाल को सलाहकार बनाया गया है। एडुस्कोप वर्ष 2024 वैश्विक शैक्षिक सहकार्यता परियोजना में इंडोनेशिया की शिक्षिका फित्रा मुर्नी भी सम्मिलित रहेंगी। डॉ. डंगवाल इससे पहले यूनेस्को के अंतर्राष्ट्रीय परामर्श ऑनलाइन कार्यक्रम सहित अन्य का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं। एडुस्कोप 2024 वैश्विक शिक्षा के क्षेत्र में विशेष योगदान देगी।

तकनीकी साहित्य देगी हिंदी को वैश्विक पहचान

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित शोधार्थी छात्र और शिक्षक। अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : तकनीकी व्यवस्थाओं ने अपना स्थान शिखर तक पहुंचा दिया है। संयुक्त अरब अमीरात से लेकर भारत में भी रोबोट क्रियाशील हैं। उड़ीसा और केरल में रोबोट एंकरिंग कर रहे हैं। आज हिंदी को भी हमें तकनीक से जोड़ने की आवश्यकता है। इससे रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। यह उद्गार लखनऊ विवि में आयोजित कार्यक्रम के दौरान प्रवासी साहित्यकार डॉ. पूर्णिमा वर्मन ने व्यक्त किए। संगोष्ठी का विषय प्रवर्तन करते हुए प्रोफेसर योगेंद्र प्रताप सिंह ने हिंदी के महत्व पर चर्चा करते हुए कहा कि आज हिंदी विश्व के 160 विश्वविद्यालयों में पढ़ाई जा रही है। संयुक्त अमीरात, अमेरिका, जापान, वियतनाम आदि देशों में हिंदी अध्ययन-अध्यापन संचालित हो रहा है। विश्व के अनेक विश्वविद्यालय भारतीय विश्वविद्यालय से अनुबंध कर रहे हैं। शिक्षा, चिकित्सा, बैंकिंग, मीडिया आदि क्षेत्रों में हिंदी भाषा ने तकनीक के माध्यम से सहायता प्रदान की है। इस अवसर पर विभाग के शिक्षक प्रोफेसर अलका पांडे, प्रोफेसर हेमांशु सेन, डॉ. ममता तिवारी, डॉ. आकांक्षा, डॉ. अनुपम, डॉ. सुधा सहित विभागीय शोध एवं स्नातकोत्तर के छात्र उपस्थित रहे।

हिंदी अध्यापन के लिए अमेरिका से मदद

कार्यक्रम में दौरान उपस्थित प्रोफेसर पवन अग्रवाल ने हिंदी के साथ एक वैकल्पिक भाषा का अध्ययन करने पर रोजगार के अवसरों के बढ़ने का संकेत किया। उन्होंने बताया कि अमेरिका की एशियाटिक सोसाइटी में 1500 स्कूलों में हिंदी अध्यापन के लिए 816 करोड़ का प्रस्ताव अमेरिका के राष्ट्रपति के समक्ष रखा गया है।

50 विदेशी छात्रों ने रखे विचार

लविवि के कुलपति आलोक कुमार राय ने हिंदी दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में वसुधैव कुटुंबकम को परिभाषित करते हुए हिंदी भाषी विषयों को प्रबंधन से जोड़कर रोजगार की संभावनाओं पर बल दिया। अंतरराष्ट्रीय प्रकोष्ठ के निदेशक प्रोफेसर रवींद्र प्रताप सिंह ने हिंदी के बदलते वैश्विक परिवेश पर चर्चा की। विशेष व्याख्यान में भाषा विज्ञान विभागाध्यक्ष प्रोफेसर केश्री कुमार ने विभिन्न भाषाई आयामों यथा फोनेटिक्से, सिंटेक्स, सिमेंटिक्स और लैक्सिकोग्राफी पर एक व्याख्यान दिया। कार्यक्रम में सम्मिलित रूस, श्रीलंका, बांग्लादेश, चीन, इथोपिया, अफगानिस्तान, ताजिकिस्तान, मॉरीशस, वियतनाम, माली, केन्या, युगांडा आदि देशों के लगभग 50 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग करते हुए विचार भी रखे। इस दौरान काफी संख्या में छात्र उपस्थित रहे।

लविवि के कुलपति ने जाना हरदोई में परीक्षाओं का हाल

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

▸▸ औचक निरीक्षण के दौरान परीक्षा नियंत्रक और परीक्षा कक्ष प्रभारियों से सवाल करते हुए जानी स्थिति

▸▸ परीक्षा कक्ष में छात्रों से जरूरी जानकारी लेते हुए कुलपति ने विद्यालय प्राचार्यों को दिए निर्देश

अमृत विचार : लखनऊ विश्वविद्यालय इन दिनों परीक्षाओं का आयोजन करा रहा है। इन्हीं परीक्षाओं की हकीकत जानने के लिए लखनऊ विवि के कुलपति ने हरदोई पहुंचकर विद्यालयों का निरीक्षण किया। औचक निरीक्षण के दौरान सीसीटीवी फुटेज का आंकलन भी किया गया।

बुधवार को हरदोई पहुंचे लखनऊ विवि के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने जिले के सुभाषचंद्र बोस महाविद्यालय गौसगंज का हाल जाना। औचक निरीक्षण के बीच परीक्षा नियंत्रक और परीक्षा कक्ष प्रभारियों से सवाल भी किए। फिर वे श्रीबालाजी कृषि महाविद्यालय और पीबीआर कृषि महाविद्यालय तिरवा पहुंचे। परीक्षा कक्ष में परीक्षा दे रहे छात्रों से जरूरी जानकारी लेते हुए विद्यालय प्राचार्यों को निर्देश भी दिए। निरीक्षण के दौरान कुलपति के साथ मुख्य कुलानुशासक प्रोफेसर राकेश द्विवेदी, डीन सीडीसी, प्रोफेसर अवधेश त्रिपाठी एवं कुलानुशासक मंडल के अन्य सदस्य भी उपस्थित थे।

SWATANTRA BHARAT PAGE 2

मीडिया और तकनीकी साहित्य देगी हिंदी को वैश्विक पहचान:पूर्णिमा वर्मन

स्वतंत्र भारत संवाददाता,लखनऊ। वर्तमान में तकनीकी ने अपने पांव कृत्रिम बुद्धिमत्ता तक पहुंचा दिए हैं। संयुक्त अमीरात से लेकर भारत में भी रोबोट क्रियाशील हो उठे हैं। उड़ीसा और केरल में रोबोट एंकरिंग प्रारंभ हो गई है। आज हिंदी को भी हमें तकनीक से जोड़ने की जरूरत है। इसमें जहां एक ओर भाषा के माध्यम से रोजगार के अवसर बढ़ेंगे वहीं, मीडिया और तकनीक आधारित साहित्य हिंदी को वैश्विक पहचान देंगे। उक्त बातें प्रवासी साहित्यकार डॉ. पूर्णिमा वर्मन हिंदी तथा आधुनिक भारतीय भाषा विभाग, लविवि में आयोजित विश्व हिंदी दिवस के अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में कहीं। संगोष्ठी का विषय प्रवर्तन करते हुए प्रो.योगेंद्र प्रताप सिंह ने विश्व हिंदी दिवस का महत्व बताते हुए स्पष्ट किया कि आज हिंदी विश्व के 160 विश्वविद्यालयों में पढ़ाई जा रही है। संयुक्त अमीरात, अमेरिका, जापान, वियतनाम आदि देशों में हिंदी अध्ययन-अध्यापन संचालित हो रहा है। विश्व के अनेक विश्वविद्यालय भारतीय विश्वविद्यालय से अनुबंध कर रहे हैं।

शिक्षा,चिकित्सा, बैंकिंग, मीडिया आदि क्षेत्रों में हिंदी भाषा ने तकनीक के माध्यम से सहायता प्रदान की है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रो.पवन अग्रवाल ने हिंदी के साथ एक वैकल्पिक भाषा का अध्ययन करने पर रोजगार के अवसरों के बढ़ने का संकेत किया। उन्होंने बताया कि अमेरिका की एशियाटिक सोसाइटी में 1500 स्कूलों में हिंदी अध्यापन के लिए 816 करोड़ का प्रस्ताव राष्ट्रपति बाइडन के समक्ष रखा है। वैश्विक बाजार में हिंदी की मांग बढ़ी है। मीडिया, सिनेमा, अनुवाद, पर्यटन आदि क्षेत्र में हिंदी की अपार संभावनाएं हैं। विश्व हिंदी दिवस के अवसर पर विभाग के शिक्षक प्रो.अलका पांडे, प्रो.हेमांशु सेन, डॉ.ममता तिवारी, डॉ.आकांक्षा, डॉ.अनुपम, डॉ.सुधा आदि के अलावा विभागीय शोध एवं स्नातकोत्तर के छात्र मौजूद रहे।

लविवि : 22 जनवरी की सभी परीक्षाएं स्थगित

स्वतंत्र भारत संवाददाता,लखनऊ। अयोध्या में होने जा रहे राम मंदिर के उद्घाटन और रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की भव्य तैयारी को देखते हुए 22 जनवरी को लखनऊ विश्वविद्यालय में इस संबंध में

प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में महाविद्यालयों में होंगे कार्यक्रम

कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। लविवि के कुलपति प्रो.आलोक कुमार राय ने बताया कि इस संबंध में लविवि से सम्बद्ध महाविद्यालयों से भी अनुरोध किया जा रहा है कि इस ऐतिहासिक अवसर से संबंधित कार्यक्रम वे अपने महाविद्यालय में भी आयोजित करें। 22 जनवरी को लविवि और इससे सम्बद्ध विभिन्न महाविद्यालयों में होने वाली परीक्षाओं को स्थगित करके संशोधित परीक्षा कार्यक्रम भी जारी कर दिया गया है।

कुलपति ने सेमेस्टर परीक्षाओं का किया औचक निरीक्षण

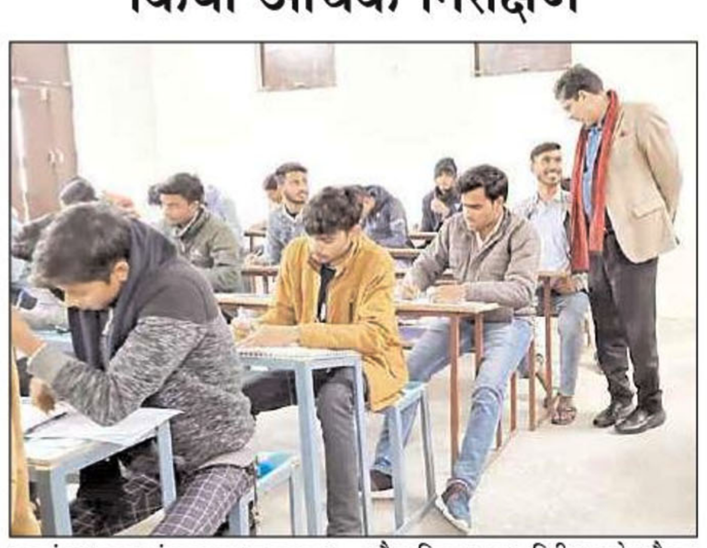

स्वतंत्र भारत संवाददाता,लखनऊ। लविवि के कुलपति प्रो.आलोक कुमार राय द्वारा वर्तमान में विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित सेमेस्टर परीक्षाओं के औचक निरीक्षण के लिए हरदोई जिले के सुभाष चंद्र बोस महाविद्यालय गौशगंज हरदोई, बालाजी कृषि महाविद्यालय हरदोई एवं पीबीआर कृषि महाविद्यालय तिरवा हरदोई का दौरा किया गया। निरीक्षण के दौरान कुलपति ने परीक्षा व्यवस्था एवं महाविद्यालय की अन्य मूलभूत सुविधाओं को देखा और आवश्यक दिशानिर्देश दिये। इस मौके पर कुलपति के साथ मुख्य कुलानुशासक प्रो.राकेश द्विवेदी, डीन सीडीसी, प्रो.अवधेश त्रिपाठी एवं कुलानुशासक मंडल के अन्य सदस्य भी उपस्थित थे।

डॉ. किरण लता अंतरराष्ट्रीय ऑनलाइन परामर्श कार्यक्रम में सलाहकार चयनित

स्वतंत्र भारत संवाददाता,लखनऊ। नोवा गोरिका विश्वविद्यालय (यूएनजी) और ओईआर के लिए ओपन टेक्नोलॉजीज पर यूनेस्को चेयर द्वारा आयोजित प्रतिष्ठित एडुस्कोप 2024 कार्यक्रम में ओपन एजुकेशन, एक अंतरराष्ट्रीय ऑनलाइन परामर्श कार्यक्रम के लिए डॉ. किरण लता डंगवाल को एक सलाहकार के रूप में चुना गया। प्रभावशाली ओईआर बनाने की दिशा में मुक्त शैक्षिक संसाधन डेवलपर्स को मार्गदर्शन देने में एक संरक्षक के रूप में डॉ.डंगवाल की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। वह एडुस्कोप 2024 के लिए वैश्विक शैक्षिक सहकार्यता परियोजना के लिए इंडोनेशिया की एक प्रतिष्ठित और प्रसिद्ध शिक्षिका फित्रा मुर्नी का मार्गदर्शन करेंगी। डॉ.डंगवाल पहले ही यूनेस्को के अंतराष्ट्रीय परामर्श ऑनलाइन कार्यक्रम, ओई फोर बी.डब्ल्यू में दो एमओओसी (मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्स) विकसित कर चुके हैं।

TOI PAGE 3

LU revises dates for exams slated on Jan 22

Times News Network

Lucknow: Lucknow University has rescheduled all its examinations due on January 22 in view of the consecration ceremony at the newly-constructed Ram temple in Ayodhya.

"We have announced new dates for the examinations scheduled on January 22 after chief minister Yogi Adityanath announced a holiday in all academic institutions across the state on the day," said LU spokesperson Durgesh Srivastava.

He said that the revised examination schedule for subjects, including commerce, physics, chemistry, software development and biochemistry, among others, has been released on the university website, according to officials.

The Uttar Pradesh government on Tuesday declared a holiday for all academic institutions in the state on the day of the consecration ceremony at the Ram temple.

VOICE OF LUCKNOW PAGE 3

अंतरराष्ट्रीय ऑनलाइन परामर्श कार्यक्रम के लिए डॉ. किरण लता बनीं सलाहकार

लखनऊ। नोवा गोरिका विश्वविद्यालय (यूएनजी) और ओईआर के लिए ओपन टेक्नोलॉजीज पर यूनेस्को चेयर के तत्वावधान में आयोजित एडुस्कोप 2024 कार्यक्रम में ओपन एजुकेशन, एक अंतरराष्ट्रीय ऑनलाइन परामर्श कार्यक्रम के लिए डॉ. किरण लता डंगवाल को एक सलाहकार (मेंटर) के रूप में चुना गया। प्रभावशाली ओई आर बनाने की दिशा में मुक्त शैक्षिक संसाधन डेवलपर्स को मार्गदर्शन देने में एक संरक्षक के रूप में डॉ. डंगवाल की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। वह एडुस्कोप 2024 के लिए वैश्विक शैक्षिक सहकार्यता परियोजना के लिए इंडोनेशिया की एक प्रतिष्ठित और प्रसिद्ध शिक्षिका फित्रा मुनी का मार्गदर्शन करेंगी। डॉ. डंगवाल पहले ही यूनेस्को के अंतर्राष्ट्रीय परामर्श ऑनलाइन कार्यक्रम, ओई4बीडब्ल्यू में दो मॉक (मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्स) विकसित कर चुके हैं।

हिंदी एक सरल, सुगम और वैज्ञानिक भाषा : प्रो. आलोक

लविवि में मनाया गया विश्व हिंदी दिवस

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के अंतर्राष्ट्रीय प्रकोष्ठ के तत्वावधान में बुधवार को अंतरराष्ट्रीय हिंदी दिवस समारोह का आयोजन हुआ। इस श्रृंखला में अंतरराष्ट्रीय छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए गोष्ठियां और व्याख्यान श्रृंखला आयोजित की गई।

कार्यक्रम में कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने अंतरराष्ट्रीय छात्रों को हिंदी के वैश्विक प्रवेश पर संबोधित करते हुए कहा कि हिंदी एक सरल, सुगम और वैज्ञानिक भाषा है। इसमें जहां एक ओर वसुधैव कुटुंबकम और विश्व शांति की अधिरचना है। वहीं इसमें वर्तमान शैक्षिक परिवेश में वैज्ञानिक और प्रबंधकीय विषयों को प्रस्तुत करने की असीम क्षमता और संभावना है। उन्होंने लखनऊ विश्वविद्यालय में अध्ययनरत विदेशी छात्रों को अंतरराष्ट्रीय हिंदी दिवस की शुभकामनाएं दी। इसके बाद अंतरराष्ट्रीय प्रकोष्ठ के निदेशक प्रो. रवींद्र प्रताप सिंह ने इस दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए हिंदी के बदलते वैश्विक परिवेश की चर्चा की और विदेशी छात्रों को हिंदी में कैरियर और अनुवाद की संभावनाओं के बारे में बताया। अपने विशेष व्याख्यान में भाषा विज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो. के. श्री कुमार ने भाषा विज्ञान विभाग में हिंदी के विभिन्न भाषायी आयामों यथा फोनेटिक्से, सिंटिक्स, सिमेंटिक्स और लैक्सिकोग्राफी पर एक व्याख्यान दिया। इस समारोह में रूस, श्रीलंका, बांग्लादेश, चीन, इथोपिया, अफगानिस्तान, ताजिकिस्तान, मॉरीशस, वियतनाम, माली, केन्या, युगांडा आदि देशों के लगभग 50 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। ध्यातव्य है कि लखनऊ विश्वविद्यालय में पिछले वर्ष लगभग 76 देश से विद्यार्थियों ने विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए आवेदन किया था और वह विभिन्न संकायों में अध्ययनरत हैं।